

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## प्रौद्योगिक महाविद्यालय एवं ग्रामीण निर्माण विभाग के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित

पंतनगर। 30 दिसम्बर 2022। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय एवं उत्तराखण्ड ग्रामीण निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन के मध्य विश्वविद्यालय कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान की उपस्थिति में एक एम.ओ.यू. हस्ताक्षित किया गया। अनुबंध पर महाविद्यालय की ओर से अधिष्ठाता, डा. अलकनंदा अशोक एवं ग्रामीण निर्माण विभाग (RWD) की ओर से मुख्य अभियंता श्री अजय कुमार पंत के प्रतिनिधि अधीक्षण अभियंता द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

अनुबंध के अनुरूप प्रौद्योगिक महाविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों के एक्सपर्ट अनुभव एवं उनकी विषय विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण निर्माण विभाग में कार्यरत कनिष्ठ अभियंताओं के 25-25 के बैच को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच संबंधी 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराएगा। ग्रामीण निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री विभु विश्वमित्र रावत ने बताया कि सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभाग के अभियंताओं की जहां निर्माण के दौरान और निर्माण के उपरांत होने वाले गुणवत्ता परीक्षण संबंधी ज्ञान में वृद्धि होगी वहीं गुणवत्ता परीक्षण के आधुनिक तरीकों के बारे में जानकारी भी मिलेगी, जिससे विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा। श्री विभु रावत ने भविष्य में सिविल इंजीनियरिंग विभाग, पंतनगर को अपने विभाग के तकनीकी सहायोग के रूप में भी सहयोग करने की आशा व्यक्त की। कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि ऐसे अनुबंध विश्वविद्यालय के शिक्षा प्रसार के माध्यम से उत्तराखण्ड के सम्यक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। डा. अलकनंदा अशोक ने कहा कि ऐसे अनुबंधों को नई शिक्षा नीति के अंतर्गत संस्थान और इंडस्ट्री के सहयोग के रूप में देखा जा सकता है। भविष्य में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों को भी ग्रामीण निर्माण विभाग के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग विभाग का इस वर्ष का यह तीसरा अनुबंध है। कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. पी.एस. महर सहित डा. संजीव सुमन, डा. संदीप गुप्ता, डा. सुनील कुमार, डा. वनीता देवी एवं डा. सुबीर शर्मा भी उपस्थित थे।



अनुबंध के साथ डा. अलकनंदा अशोक, कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।